EEC-11

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.ई.सी-11
पाठ्यक्रम शीर्षक : अर्थशास्त्र के मूल तत्व

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

ई.ई.सी-11 : अर्थशास्त्र के मूल तत्व
सत्रीय कार्य
(2015-16)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.) के कार्यक्रम-दर्शिका में वर्णित है, आपको **ई.ई.सी-11 : अर्थशास्त्र के मूल तत्व** नामक में इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह सत्रीय कार्य अध्यापक जाँच (टी.एम.ए) है और इसके 100 अंक हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले कृपया आपको अलग से भेजी गई कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिए गए निर्देशों को अवश्य पढ़ लें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2015 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**:**	**31 मार्च 2016**
जनवरी 2016 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**:**	**30 सितंबर 2016**
सत्रीय कार्य कहाँ जमा कराएँ	**:**	**अपने अध्ययन केंद्र के संचालक को**

ई.ई.सी-11 : अर्थशास्त्र के मूल तत्व

सत्रीय कार्य

(टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोडः बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोडः ई.ई.सी-11
सत्रीय कार्य कोडः ई.ई.सी-11/ए.एस.टी-1(टी.एम.ए)/2015-16

पूर्णांकः 100

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

क) दीर्घ श्रेणी प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।) **2 x 20 = 40**

1. संक्षेप में उपभोक्ता व्यवहार से संबंधित गणनात्मक उपयोगिता एवं क्रमवाचक उपयोगिता दृष्टिकोण में अंतर बताइए। ह्रासमान सीमांत उपयोगिता नियम की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

2. (a) दीर्घकालीन औसत लागत वक्र U आकृति का क्यों होता है और दीर्घकाल में यह चपटा (flat) क्यों हो जाता है? उपयुक्त रेखाचित्र की सहायता से व्याख्या कीजिए।

   (b) दिए हुए कुल लागत फलन, $TC=3q^2+7q+12$ के आधार पर यदि q का मान 3 है तो सीमांत लागत एवं औसत लागत का मूल्यांकन कीजिए।

ख) मध्यम श्रेणी प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।) **4 x 12 = 48**

3. एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता की पूर्ण प्रतियोगिता से तुलना कीजिए और यह बताएँ कि एकाधिकारात्मक प्रतियोगी फर्म के लिए कौन–कौन से नीतिगत कारक होते हैं?

4. व्याख्या करें कि किस प्रकार आधुनिक लगान सिद्धांत मार्शल के लगान सिद्धांत से बेहतर है?

5. मुद्रा बाजार के अवयव (constituents) क्या हैं? मुद्रा एवं वस्तु बाजार में संतुलन लाने के लिए वांछित कदमों की व्याख्या कीजिए।

6. (a) लिंड हाल संतुलन क्या है? रेखाचित्र की सहायत से व्याख्या करें।

   (b) बाह्य प्रभावों की समस्या के निदान हेतु कोश समाधान की व्यख्या कीजिए।

ग) लघु श्रेणी प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।) **2 x 6 = 12**

7. निम्नलिखित में से किन्हीं चार के बीच अंतर बताइए :
   (क) वास्तविक एवं आदर्श अर्थशास्त्र
   (ख) समलागत रेखा एवं समोत्पादक वक्र
   (ग) राजस्व आगम (Revenue receipts) एवं पूँजीगत आगम (Capital receipts)
   (घ) माँग जन्य स्फीति एवं लागत प्रेरित स्फीति
   (ङ) सकल राष्ट्रीय उत्पाद एवं सकल घरेलू उत्पाद

8. निम्नलिखित में से किन्हीं चार की व्याख्या कीजिए :
   (क) सामान्य संतुलन
   (ख) गिफिन विरोधाभास
   (ग) सजातीय उत्पादन फलन
   (घ) ब्याज की समान दर (flat rate of interest)
   (ङ) हस्तांतरण आय
   (त) व्यापार की शर्तें
   (थ) संयोजित वस्तुएँ (club goods)